

हिन्दी विभाग

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

विभागीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

(सत्र 2019-2020, 2020-2021)

- हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम (12.09.2019 से 14.09.2019)
- काव्य पाठ प्रतियोगिता (12.09.2019)
 - हिन्दी भाषण प्रतियोगिता (13.09.2019)
 - एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन (14.09.2019)



निमन्त्रण-पत्र

हिन्दी विभाग



गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
के सौजन्य से हिन्दी दिवस के अवसर पर काव्य पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी आमंत्रित हैं।

दिनांक	कार्यक्रम	समय	स्थान
12 सितम्बर 20 19	काव्य पाठ प्रतियोगिता	प्रातः 10 बजे	चौधरी रणवीर सिंह सभागार
13 सितम्बर 20 19	भाषण प्रतियोगिता	प्रातः 10 बजे	चौधरी रणवीर सिंह सभागार
14 सितम्बर 20 19	व्याख्यान मुख्य वक्ता	प्रातः 10 बजे	चौधरी रणवीर सिंह सभागार

मुख्य अतिथि – **प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति**
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार

विशिष्ट उपस्थिति – **डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, कुलसचिव**
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार

मुख्य वक्ता – **प्रो. देवेन्द्र कुमार गौतम**

अध्यक्ष
प्रो. किशनाराम बिश्नोई
हिन्दी विभाग

- 'गुरु जम्भेश्वर: धर्म और दर्शन' पुस्तक एवं काव्य संग्रह 'तीन टुकड़ा सूरज' का विमोचन (14.09.2019)



शर्मिला

जन्म : काशीपुर, हिस्सार (हरियाणा)
 शिक्षण : एम.ए. हिन्दी, पुरानी मंत्र वेदाङ्ग, संजय विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र से 'सहित 30वीं शताब्दी के संदर्भ में गुरु जम्भेश्वर की काव्य' विषय पर पीएच.डी. का श्रेष्ठ कार्य, कर्नाटक में तत्कालीन महाविद्यालय, हिस्सार में महासक प्रकल्प के रूप में कार्यरत।
 पता : 1362/19, बाट बंदा बहादुर कॉलोनी, काश मल के निकट, हरिद्वार-125033



कार्यक्रम की झलकियाँ

गुजवि में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम 12 से

हिस्सार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से 12 से 14 सितम्बर तक हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने बताया कि 12 सितम्बर को हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जबकि 13 सितम्बर को हिन्दी भाषण प्रतियोगिता व 14 सितम्बर को सेमिनार लगाया जाएगा, जिसके मुख्य वक्ता कानपुर के जाने-पाने भाषा विशेषज्ञ प्रो. देवेन्द्र गौतम होंगे।

12.09.2019

कविताएं मानव के लिए बन सकती हैं प्रेरणास्रोत : मनीषा

जीजेयू में विभाग की ओर से हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हिस्सार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिस्सार के हिन्दी विभाग के सौजन्य से हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर गुरुवार से शुरू हुए कार्यक्रमों की श्रृंखला में पहले दिन हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने की। कार्यक्रम में हाल ही में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली विश्वविद्यालय की छात्रा मनीषा पंचत विशिष्ट अतिथि



के रूप में उपस्थित रहीं। मनीषा ने इस अवसर पर कहा कि जिद से दुनिया बदलती है। उन्होंने कहा कि कविताएं भी मानव के लिए प्रेरणा का एक स्रोत हैं। समाज में परिवर्तन

स्ताने में कवियों का बड़ा योगदान है। प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने कहा कि हिन्दी विभाग विश्वविद्यालय का नया विभाग है। यह विभाग का अपनी तरह का पहला साहित्यिक कार्यक्रम है।

जीजेयू के हिन्दी विभाग में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते छात्र।

उन्होंने घोषणा की कि हिन्दी विभाग के सौजन्य से विश्वविद्यालय में एक साहित्यिक क्लब का गठन भी किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया अतिशीघ्र पूरी की जाएगी। इस अवसर पर निर्णायक दल के सदस्य डॉ. हिल्क सेठी, प्रो. स्वीश गर्ग तथा डॉ. संजय तिवारी के अतिरिक्त प्रो. एमआर पात्रा तथा जनसम्पर्क विजेन्द्र दहिया ने भी रचनाएं सुनाई। कार्यक्रम में प्रो. वंदना पुनिया, डॉ. रश्मिता, डॉ. रेखा साहु व रेखा पुनिया भी उपस्थित रहे।

14.09.2019

हिंदी दिवस पर दो पुस्तकों का विमोचन



हिंसा/14 सितंबर/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीक विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आज हिंदी दिवस पर डॉ. देवेन्द्र कुमार गौतम का व्याख्यान करवाया गया। इस व्याख्यान के बाद हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिशनोई की नवप्रकाशित पुस्तक 'गुरु जम्भेश्वर- धर्म और दर्शन' व प्राध्यापिका डॉ. शर्मिला के नवीन काव्य संग्रह 'तीन टुकड़ा सूरज' का विमोचन प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, देवेन्द्र कुमार, गौतम, कमलेश भारतीय, मिहिर रंजन पात्र व विजेन्द्र कुमार दहिया ने किया।

इस अवसर पर शर्मिला ने अपनी पसंदीदा कविताओं का पाठ भी किया जबकि विजेन्द्र दहिया ने संग्रह पर संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुनीष सिंहमार, इंदु, पल्लवी, रेखा पूनिया, कोमल आदि मौजूद रहे।



14.09.2019

(दीप प्रज्ज्वलित करते हुए प्रो० सुनीता श्रीवास्तव)

हिन्दी दिवस समारोह (14.09.2020)

- ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं दोहा गायन प्रतियोगिता

https://drive.google.com/drive/folders/0BzqPPA6Rv8sPflh5Zk1kWlJSY1FvU0M0d0ZPSnZlaGZIWI Bqc3pkemowNkpldXpCYUpMd3M?resourcekey=0-Aextt_EwIozKwqtu_3Zj7A&usp=sharing

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

हिन्दी दिवस समारोह

हिन्दी विभाग के सौजन्य से हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर
वेबीनार व ऑनलाइन पुरस्कार वितरण समारोह


मुख्य अतिथि
प्रो० टंकेश्वर कुमार
कुलपति


विशिष्ट अतिथि
डॉ० अवनीश वर्मा
कुलसचिव


मुख्य वक्ता
प्रो० कृष्ण कुमार कौशिक
जामिया मिल्लिया इस्लामिया


संयोजक
प्रो० किशानाराम बिश्नोई
हिंदी विभागाध्यक्ष

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

14 सितंबर, 2020 समय: प्रातः 10:00 बजे

Google MEET Link: <https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc>
Facebook Streaming Address: Guru Jambheshwar Ji Mahraj Institute of Religious Studies

- वेबीनार एवं ऑनलाइन पुरस्कार वितरण समारोह
[link: https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc](https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc)

कार्यक्रम की झलकियाँ



➤ सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जयंती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन
(21.02.2021)

मुख्य वक्ता : प्रो० पूरनचंद टंडन, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

[link: https://meet.google.com/kpd-bwyo-mqx](https://meet.google.com/kpd-bwyo-mqx)

दैनिक भास्कर

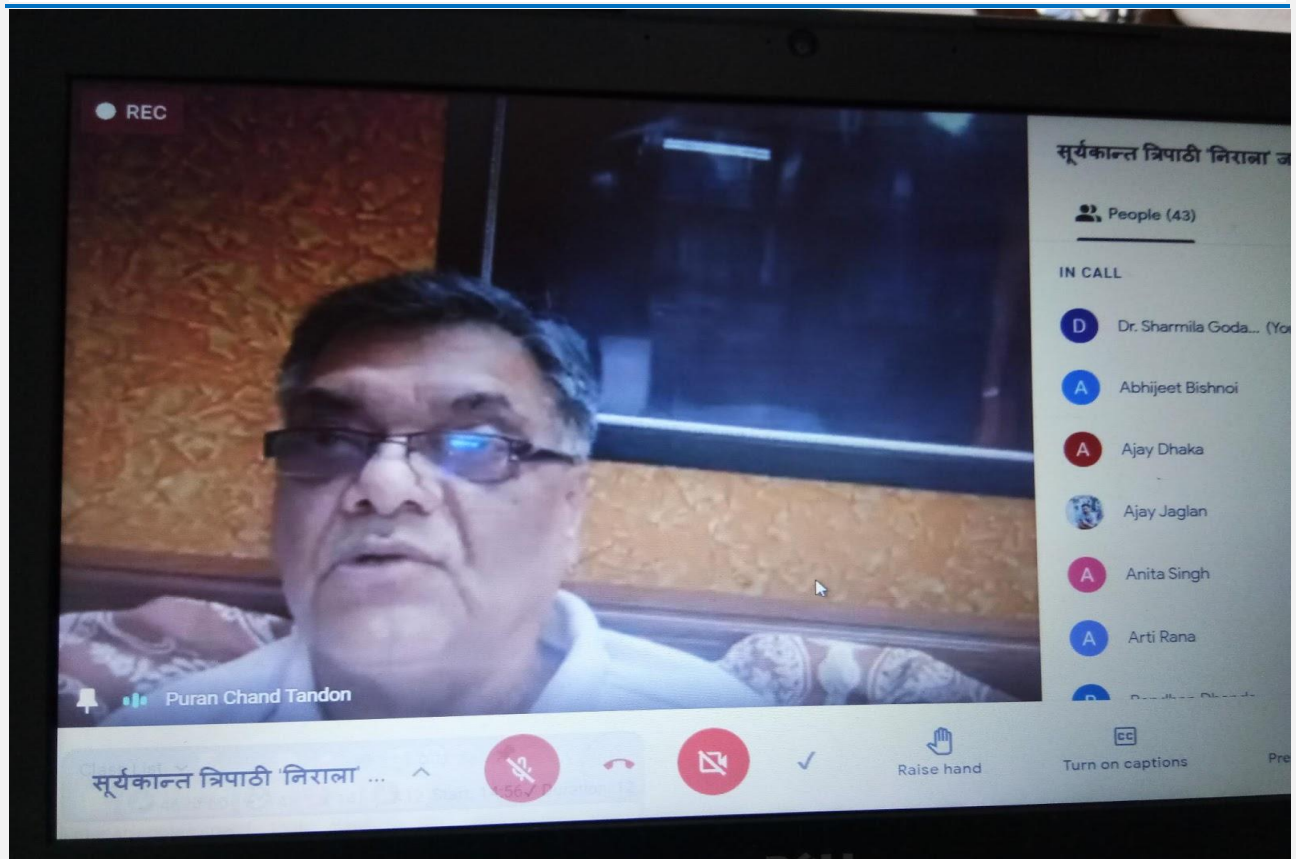
ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन: जीजेयू में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती पर
व्याख्यान

हिसार

जीजेयू के हिंदी विभाग द्वारा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती के उपलक्ष्य पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य वक्ता प्रो. पूरनचंद टंडन रहे। जो दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

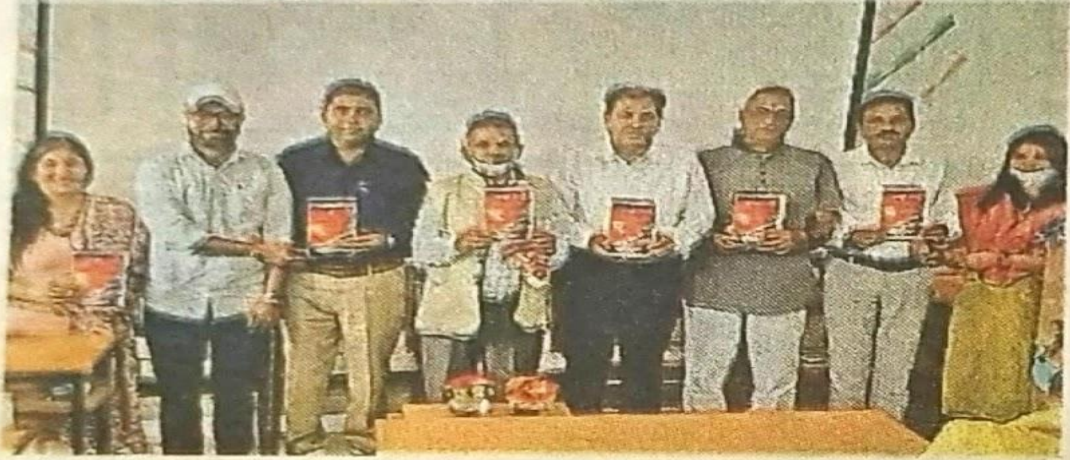
डॉ. शर्मिला ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि साहित्य जगत में ये किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इन्होंने साहित्य एवं अनुवाद से संबंधित अनेक पुस्तकों का लेखन व संपादन किया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा सन 2018 में इन्हें साहित्य भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व इन्हें अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। प्रो. पूरनचंद टंडन ने कहा कि निराला का व्यक्तित्व बड़ा ओजस्वी था। ये बहुभाषा-भाषी व्यक्तित्व के धनी थे, ये बांग्ला, संस्कृत, ब्रज और अवधी भी जानते थे। साहित्य की गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं में इनका एक-सा अधिकार था।



- विश्व कविता दिवस की पूर्व संध्या पर 'जीवन और काव्य का संबंध' विषय पर काव्य-पाठ और पुस्तक विमोचन (19.03.2021)

जीजेयू के हिंदी विभाग में काव्य पाठ व पुस्तक का हुआ विमोचन



हिसार। जीजेयू के हिंदी विभाग के सौजन्य से विश्व कविता दिवस की पूर्व संध्या पर जीवन और काव्य का संबंध विषय पर काव्य-पाठ और पुस्तक विमोचन का कार्यक्रम हुआ। डीन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन प्रो. विनोद छोकर कार्यक्रम के मुख्यातिथि थे। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र चौहान व शैक्षिक महासंघ हरियाणा के अध्यक्ष प्रो. दया सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. किशनाराम ने की। इस मौके पर डॉ. गीतू धवन, डॉ. शर्मीला, कल्पना, हिंदी इंस्ट्रक्टर संतोष, शोधकर्ता बबीता मौजूद रहे। सहायक प्रो. बंसीलाल ने धन्यवाद प्रस्ताव किया।

➤ हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर वेब व्याख्यान का आयोजन (30.05.2021)

विषय : "हिन्दी पत्रकारिता का भाषायी दायित्व"

link: <https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc>



गुरु ज्योत्शिर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर
वेब व्याख्यान में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रण

विषय: हिन्दी पत्रकारिता का भाषायी दायित्व

30 मई, 2021 (रविवार)
दोपहर 3.30 बजे



मुख्य अतिथि:
प्रो. टंकेश्वर कुमार
 माननीय कुलपति,
 गुरु ज्योत्शिर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
 हिसार



मुख्य वक्ता:
डॉ. अशोक बत्रा
 पूर्व प्राचार्य
 श्री लालायाहि हिन्दू कॉलेज,
 रोहतक



अध्यक्षता:
प्रो. किशनाराम बिश्नोई
 विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग,
 सहायक प्रो. हिन्दी विभाग

आयोजक
डॉ. बंसीलाल
 सहायक प्रो. हिन्दी विभाग

गूगल मीट के जरिए इस लिंक से जुड़ें।

<https://meet.google.com/fxy-zkeb-ukn?hs=224>

हिन्दी पत्रकारिता ने भाषा को सशक्त किया : प्रो. टंकेश्वर

कर्म का कार्य कर और समाज को समझाओ को प्रकटित करे। उन्होंने कहा कि हिन्दी शिक्षकों को यह दायित्व है कि वह भाषा को शुद्ध रूप में विद्यार्थियों तक ले कर जाए। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी को भाषा पर परकट बनाने के लिए साहित्य का अध्ययन आवश्यक है। इस मौके पर डॉ. बंसी लाल, डॉ. गीत धवन, डॉ. शर्मिला, कल्पना उदयशर्मा रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पत्रकारिता को शक्ति पर ले जाने में हिन्दी भाषा का अहम योगदान रहा है। हिन्दी ने ही पत्रकारिता को भाषा को सशक्त बनाया है। पत्रकारों को इस दिग्दर्शक पर यह संकल्प लेना होगा कि वह हिन्दी भाषा के शब्दों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दे, ताकि समाज में सकरात्मक भूमिका अदा करके राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकत हैं क्योंकि पाठक और दर्शक जैसी भाषा मीडिया के माध्यम से सीखते हैं उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों का आग्रह किया कि वह अच्छी भाषा सीखकर पत्रकारिता के क्षेत्र में जाएँ क्योंकि समाज में हम जैसी भाषा का प्रयोग करेंगे उसी प्रकार से समाज की रचना हम सब को देखने के लिये मिलेगी। डॉ. बत्रा ने

हिन्दी पत्रकारिता ने भाषा को सशक्त किया-प्रो टंकेश्वर कुमार

अपने कहा कि पत्रकारिता का यह दायित्व है कि वह शक्ति को मजबूत करने का कार्य करे और समाज की समस्याओं को प्रकटित करे। उन्होंने कहा कि हिन्दी शिक्षकों को यह दायित्व है कि वह भाषा को शुद्ध रूप में विद्यार्थियों तक ले कर जाए और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। मातृभाषा के प्रति समर्पित हो क्योंकि आज दुनिया में जितने भी देश अजल स्थान पर हैं तो वह मातृभाषा के कारण है। उनका सब कामकाज मातृभाषा में होता है। हमें पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी मूल भाषा को बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिन्दी पत्रकारों को हिन्दी समाचार पत्र-पत्रिकाओं में हिन्दी भाषा के ही शब्दों का प्रचलन बढ़ाना चाहिए। यह हमारा भाषा के प्रति असली दायित्व है क्योंकि भाषा से ही किसी देश की संस्कृति पहचानी जाती है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी को भाषा पर परकट बनाने के लिए साहित्य का अध्ययन आवश्यक करे क्योंकि साहित्य और भाषा का अटूट सम्बन्ध रहा है। विद्यार्थी हर रोज़ निरन्तर साहित्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाये। इस मौके पर इस वेब व्याख्यान में विभाग के शिक्षक डॉ. बंसी लाल, डॉ. गीत धवन, डॉ. शर्मिला, कल्पना, कोमल, सुमन, संतोष, सुनीता, जतिन, हिमांशु सहित सैकड़ों विद्यार्थी और अन्य विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

➤ संत कबीर दास जयंती के उपलक्ष्य पर वेबीनार का आयोजन
(24.06.2021)

विषय : "वर्तमान सन्दर्भ में संत कबीरदास वाणी की प्रासंगिकता"

<https://tel.meet/ccw-nedk-tdo>



गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
में



संत कबीर दास जयंती

के उपलक्ष्य पर

हिन्दी विभाग में आयोजित वेबिनार

--: विषय :-

वर्तमान संदर्भ में संत कबीर दास वाणी की प्रासंगिकता

दिनांक - 24 जून, 2021

समय - प्रातः 11:00 बजे



मुख्य अतिथि

प्रो० टंकेश्वर कुमार
कुलपति, गु०ज०वि०, हिसार



मुख्य वक्ता

डॉ० राम सुधार सिंह
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
उदय प्रताप स्वायत्तशासी कॉलेज, वाराणसी



अध्यक्षता

प्रो० पुन० के० बिश्नोई
अधिष्ठाता, मानविकी एवं
समाज विज्ञान



प्रो० किशनाराम बिश्नोई
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

--: आयोजक :-

हिन्दी विभाग
गुजवि, हिसार



निवेदक

डॉ० बन्सी लाल
प्रभारी, हिन्दी विभाग

<https://meet.google.com/ccw-nedk-tdo>

सम्पर्क सूत्र:- 09466761664, 9215537097, 8847373622, 9728289099

संत कबीर की वाणी से शीतलता आती है- प्रो. टंकेश्वर कुमार

पारकल्पक न्यूज

दिसंबर, 22 जुन : गुरु जम्पेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि संत कबीर की वाणी में शीतलता भरी पड़ी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार हिन्दी विभाग द्वारा संत कबीर दास जयंती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कबीर दास जी ऐसे संत



कबीर की वाणी में जो शीतलता और निर्भीकता है वह और किसी में नहीं है। आज इस वैश्विक पर्यावरण में गुजर रहे हैं। उसका सम्बन्ध कबीर की वाणी से बहुत मजबूत बनने में दिना गया है। इस अवसर पर अधिष्ठाता मानविकी और भाषा विज्ञान संकाय के प्रो. एन.के. बिशनोई ने संत कबीर की मानवता का सम्बन्ध करते बताया। उन्होंने कहा कि मध्यकाल में

जिनमें उस समय की कुलीनता के खिलाफ संघर्ष की जाये का कार्य किया। उन्होंने उस समय के परिवर्तन की प्रशंसा करने में उसके अत्यंत क्षमता है। कबीर दास जी संत होने के साथ साथ उच्चकोटि के समाज सुधारक हैं। उन्होंने कहा कि आज भी कबीर दास की वाणी की प्रासंगिकता है। संविधान में सुख सदा के रूप में घोषित हुए कारणों के जो गुरु मुखादि सिंह ने कहा कि संत कबीर प्रासंगिकता समाज सुधारक हैं। उन्होंने अध्यात्म के रस को लेकर यह भी जोड़कर पूरी भारतीय परम्परा को एक नया शक्ति प्रदान की। उन्होंने समाज की वास्तव में जीवने का काम किया और उस समय के धर्मोपदेशों को पारखंड में हुए अपने ही समाज से। डॉ. राम मुखादि सिंह ने कहा कि कबीर की समाज रस में नयी दिखने वाली रूप है। इसी कारण ने प्रौद्योगिकी विभाग में कबीर की अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन प्रस्तुत किया है। अपनी पुस्तक गीतांजलि में कबीर की उच्चकोटि का समाज सुधारक बताया है।

जब शक्ति अधिष्ठाता भयम पर था तो उस समय युरोप में पुनर्जागरण का काम चल रहा था। भारत और युरोप के मध्य में कितना दूरीवर्तन हो रहा था। भारत में हमका आजाद संत कबीर और गुरु जम्पेश्वर के सम्बन्धीन संतों ने किया। इस मौके पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डा. किशनाराम बिश्री ने कहा कि मध्यकाल में संत कबीर दास ने अन्याय और पारखंड के खिलाफ जो अलख जगाई, उसका असर आज भी है। उन्होंने कहा कि संत कबीर की समझना पूरे ब्रह्मांड को समझने जैसा है। संत कबीर भक्तिकाल के ऐसे चमकते सितारे थे, जिनमें पूरे संसार में अपनी रोशनी फैलाई। इसलिए युगों-युगों तक कबीर की छाया हिन्दी साहित्य को प्रेरित करती रहेगी। इस मौके पर हिन्दी विभाग के प्रभारी डा. बंसीलाल, प्रो. मनोज दयाल, डा. गीतु धवन, डा. शमीला, संजीव माधुर, कल्पना, कोमल, इंद्रराज भारती, संतोष, सुमन, सुनीता, रवि बिरला, मोनिका सहित सभी उपस्थित रहे।

संत कबीर जयंती पर जीजेयू में लगाई त्रिवेणी

संत कबीर डिग्रेड के स्वरों ने संत के विचारों के बारे में बताया

इय. कबीर छात्रावास में भी जयंती मनाई

संत कबीर

गुरु जम्पेश्वर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संत कबीर की वाणी में शीतलता भरी पड़ी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार हिन्दी विभाग द्वारा संत कबीर दास जयंती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कबीर दास ऐसे संत थे, जिनमें उस समय की कुलीनता के खिलाफ समाज को जगाने का कार्य किया। इसलिए उस समय के



उत्तर, यहाँ जहाँ की एक स्थान बरकरार सम्बन्धित धर्मों की विरासत एक की थी। वही जैजैयू में त्रिवेणी लाकर संत कबीर जयंती पर समारोह में वैश्वेकाल अभिषेक की शुरुआत की है। इस अवसर पर उदयभानु कपड़ा, सुरेशचंद्र, ओमप्रकाश शर्मा, सुमन धवन, कुलकर्णी, राजकुमार धवन, विजय टंकन, बसु राम, अरवि किशोर, रमेश, सत्यन नारा, रवि शर्मा और मौजूद रहे।



डिग्रेड संत कबीर के दिखार मण पर चले और उनके शिष्यों को आत्मसंत कराने चर्चिए। यह एक विधानसभा में डिप्टी स्पिकर रणवीर गंगू ने कही। व गुरुवार को आठव नगर स्थित कबीर छात्रावास में कबीर जयंती पर अपना संबोधन दे रहे थे। उपायुक्त डॉ. प्रिंस सोनी और राज्यमंत्री अनूप धामद ने भी अपना संबोधन दिया। इस अवसर पर जयदीप सिंह, उदयच्युत श्री सो रानी, संजय के प्रधान रोशन खर, संरक्षक जेपीए सुईडल, सन कुमर बटुगुजर, कैप्टन तुलाराम, आर सिंह मुर्तिया, राजवीर छटक मौजूद थे।

संत कबीर की वाणी से शीतलता आती है : प्रो. टंकेश्वर

संत कबीर दास जयंती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे प्रो. टंकेश्वर कुमार

विपटी पल्प न्यूज, हिसार। गुरु जम्पेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि संत कबीर की वाणी में शीतलता भरी पड़ी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार हिन्दी विभाग द्वारा संत कबीर दास जयंती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कबीर दास ऐसे संत थे, जिनमें उस समय की कुलीनता के खिलाफ समाज को जगाने का कार्य किया। इसलिए उस समय के


पाखंड को उजागर करने में उनकी अहम भूमिका है। कबीर दास संत होने के साथ-साथ उच्चकोटि के समाज सुधारक थे। उन्होंने कहा कि आज भी कबीर दास की वाणी की प्रासंगिकता है। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए बनारस के प्रो. राम मुखादि सिंह ने कहा कि संत कबीर प्रासंगिकता समाज सुधारक हैं। उन्होंने अध्यात्म के रस को जीवन रस में बांटकर पूरी भारतीय परम्परा को एक नई शक्ति प्रदान की।

उन्होंने मानव को मानव से जोड़ने का काम किया और उस समय के धर्मोपदेशों को पाखंड से दूर रहने की सलाह दी। डॉ. राम मुखादि सिंह ने कहा कि कबीर को समाज रूप में नहीं देखना हमारी भूल है। इसी संदर्भ में रवींद्रनाथ टैगोर ने कबीर को अद्भुत व्यक्तित्व का स्वामी स्वीकार किया है। अपनी पुस्तक गीतांजलि में कबीर को उच्चकोटि का समाज सुधारक बताया है। कबीर की वाणी में जो साहस और

निर्भीकता है वह और किसी में नहीं है। इस अवसर पर अधिष्ठाता मानविकी और समाज विज्ञान संकाय के प्रो. एन.के. बिशनोई ने संत कबीर की मानवता का सच्चा प्रहरी बताया। इस मौके पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डा. किशनाराम बिश्री ने कहा कि मध्यकाल में संत कबीर दास ने अन्याय और पाखंड के खिलाफ जो अलख जगाई, उसका असर आज भी है। उन्होंने कहा कि संत कबीर को समझना पूरे

ब्रह्मांड को समझने जैसा है। संत कबीर भक्तिकाल के ऐसे चमकते सितारे थे, जिनमें पूरे संसार में अपनी रोशनी फैलाई। इसलिए युगों-युगों तक कबीर की छाया हिन्दी साहित्य को प्रेरित करती रहेगी। इस मौके पर हिन्दी विभाग के प्रभारी डा. बंसीलाल, प्रो. मनोज दयाल, डॉ. गीतु धवन, डॉ. शमीला, संजीव माधुर, कल्पना, कोमल, इंद्रराज भारती, संतोष, सुमन, सुनीता, रवि बिरला, मोनिका सहित सभी उपस्थित रहे।

➤ हिंदी साहित्य और यशपाल का योगदान (03.12.2021)
(यशपाल की कहानियों एवं उपन्यासों के अंशों का पाठ)



**गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, हिसार**

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित साहित्यकार जयंती विशेष कार्यक्रम
: 03 दिसंबर, 2021 (शुक्रवार)
प्रातः 10.30 बजे

हिंदी साहित्य और यशपाल का योगदान
(यशपाल की कहानियों एवं उपन्यासों के अंशों का पाठ)

आयोजनकर्ता- डॉ. गीतू (सहायक प्रो. हिंदी विभाग)

अध्यक्षता
प्रो. किशनाराम बिश्नोई
(विभागाध्यक्ष)

स्थान: हिंदी विभाग रूम नं. 9

मंच संचालन: दिनेश (एम. ए. हिंदी उत्तरांचल)


प्रतिभागी- एम. ए. हिंदी पूवाई एवं उत्तरांचल के छात्र एवं छात्राएं

कहानीकार की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग ने प्रसिद्ध कहानीकार यशपाल की जयंती पर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसमें हिंदी विभाग के प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने यशपाल की कहानियों एवं उपन्यासों का पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डा. किशनाराम बिश्नोई व प्रो. डी. गीतू धवन भुटानी ने आयोजन किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क उपनिदेशक बिजेन्द्र दहिया विशेषतौर पर मौजूद रहे। एमए के छात्र शिवा ने परदा कहानी का पाठ किया। अनु ने बाल विवाह पर आधारित फूलों का कुरता कहाना सुनाई।

➤ गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता (20.12.2021)




**गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, हिसार**
हिंदी विभाग द्वारा आयोजित
गीता जयंती के उपलक्ष्य में

गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
16 दिसंबर, 2021, समय: 11:00 बजे

स्थान - हिंदी विभाग रूम नं. 9

आयोजक :	विभागाध्यक्ष
डॉ. गीतू	प्रो. किशनाराम
प्रभारी हिंदी विभाग	बिरनोई



गीता श्लोकोच्चारण में दिनेश प्रथम



हिसार/20 दिसंबर/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में गीता श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ गीतू धवन भुटानी की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम में विभाग के हिंदी स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों ने गीता के श्लोकों का पाठ करते हुए उनके सरल अर्थ

को भी समझाया। कार्यक्रम में एमए पूर्वार्द्ध से अनु, शिवा, मंजू, रिकू, अंजू, रितुल ने गीता को वर्तमान परिस्थितियों में संजीवनी के समान बताया। व्यक्ति के जीवन में कर्म, आसक्ति, ज्ञान, मोक्ष को व्याख्यायित करते हुए गीता के श्लोकों को आत्मसात किया। मंच संचालन एमए उत्तरार्द्ध के विद्यार्थी दिनेश ने किया। इस प्रतियोगिता में दिनेश ने प्रथम, अनु ने द्वितीय और रिकू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

